

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 389]

रायपुर, मंगलवार, दिनांक 21 जुलाई 2015— आषाढ़ 30, शक 1937

विधि और विधायी कार्य विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर

रायपुर, दिनांक 21 जुलाई 2015

क्रमांक 6922/डी. 226/21-अ/प्रारू./छ.ग./15. — छत्तीसगढ़ विधान सभा का निम्नलिखित अधिनियम जिस पर दिनांक 24-09 -2013 को राज्यपाल एवं दिनांक 13-07-2015 को राष्ट्रपति की अनुमति प्राप्त हो चुकी है, एतद्वारा सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सुषमा सावंत, अतिरिक्त सचिव.

छत्तीसगढ़ अधिनियम

(क्रमांक 25 सन् 2015)

दण्ड विधि (छत्तीसगढ़ संशोधन) अधिनियम, 2013

छत्तीसगढ़ राज्य को लागू हुए रूप में भारतीय दण्ड संहिता, 1860 (1860 का 45), दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 (1872 का 1) को और संशोधित करने हेतु अधिनियम.

भारत गणराज्य के चौसठवें वर्ष में छत्तीसगढ़ विधानमण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :-

अध्याय-एक

प्रारंभिक

- संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ. 1. (1) यह अधिनियम दण्ड विधि (छत्तीसगढ़ संशोधन) अधिनियम, 2013 कहलायेगा.
- (2) यह राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा.

अध्याय-दो

भारतीय दण्ड संहिता, 1860 का संशोधन

- धारा 211 में परन्तुक का अंतःस्थापन. 2. भारतीय दण्ड संहिता 1860 (जो इसमें इसके पश्चात् दण्ड संहिता के रूप में निर्दिष्ट है) की धारा 211 में निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात् :-

परन्तु यह कि, यदि ऐसी दांडिक कार्यवाही धारा 354, धारा 354क, धारा 354ख, धारा 354ग, धारा 354घ, धारा 354ङ, धारा 376ख, धारा 376ग, धारा 376च, धारा 509, धारा 509क या धारा 509ख, से दंडनीय अपराध के मिथ्या आरोप पर संस्थित की जाए, तो दोनों में से किसी भी भांति के कारावास से जो तीन वर्ष से कम का नहीं होगा परन्तु जो पांच वर्ष तक का हो सकेगा और जुर्माने से भी दंडनीय होगा.

- धारा 354 में परन्तुक का अंतःस्थापन. 3. दण्ड संहिता की धारा 354 में निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाता है, अर्थात् :-

परन्तु यह कि जहां इस धारा के अंतर्गत अपराध किसी रिश्तेदार, अभिभावक या शिक्षक या किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा कारित किया जाता है जिसका पीड़ित व्यक्ति से विश्वास आश्रित या प्राधिकारवान संबंध हों, तो वह दोनों में से किसी भी भांति के कारावास जिसकी अवधि दो वर्ष से कम नहीं होगी किन्तु सात वर्ष तक की हो सकेगी एवं जुर्माने से भी दंडित किया जायेगा.

- नवीन धारा 354 ड का अंतःस्थापन. 4. दण्ड संहिता की धारा 354 घ के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात् :-

354ङ. धारा 354, 354क, 354ख, 354ग, 354घ के अंतर्गत अपराध कारित होने से रोकने में विफल रहने वाले व्यक्ति का दायित्व.-जो कोई, धारा 354, धारा 354क, धारा 354ख, धारा 354ग या धारा 354घ का अपराध कारित होते समय उपस्थित रहता है और ऐसे अपराध को कारित होने से रोकने की स्थिति में होते हुए भी ऐसे अपराध को कारित होने से रोकने में विफल रहता है या यदि वह अपराध को कारित होने से रोकने की स्थिति में नहीं है तो अपराधी को वैध दण्ड से बचाने के आशय से ऐसे किसी अपराध के कारित होने की सूचना किसी भी तरीके से निकटस्थ मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी को देने में विफल रहता है तो वह ऐसे अपराध के दुष्प्रेरण के लिए दायी होते हुए दोनों में से किसी भांति के कारावास जिसकी अवधि तीन वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से दण्डित किया जाएगा.

5. दण्ड संहिता की धारा 376ड के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात् :-

नवीन धारा 376च का
अंतःस्थापन.

376च. कार्यस्थल के भारसाधक व्यक्ति एवं अन्य का अपराध की सूचना देने का दायित्व.- जो कोई, किसी कार्यस्थल का भारसाधक व्यक्ति होते हुए या ऐसे स्थल में उपस्थित कोई अन्य व्यक्ति, जिसे यह ज्ञान हो कि धारा 376 या धारा 376घ के अधीन कोई अपराध ऐसे स्थल पर कारित हो रहा है तथा ऐसे किसी अपराध को कारित होने से रोकने की स्थिति में होते हुए ऐसे किसी अपराध को कारित होने से रोकने में अथवा अपराधी को वैध दण्ड से बचाने के आशय से ऐसे किसी अपराध के कारित होने की सूचना किसी भी तरीके से किसी भी मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी को देने में विफल रहता है, वह ऐसे अपराध के दुष्प्रेरण के लिए दायी होते हुए दोनों में से किसी भी भांति के कारावास जिसकी अवधि तीन वर्ष तक की हो सकेगी एवं जुर्माने के लिए दायी होगा और ऐसे व्यक्ति का, ऐसी सूचना देने पर, कोई दायित्व उपगत नहीं होगा.

स्पष्टीकरण- कार्यस्थल में सम्मिलित है, स्त्री जिसके प्रति ऐसा अपराध कारित हुआ है, को कार्यस्थल से उसके निवास एवं निवास से कार्यस्थल तक आवागमन के लिए कार्यस्थल के भारसाधक व्यक्ति के स्वामित्व का, किराये पर या अन्यथा संलग्न परिवहन का कोई साधन.

6. दण्ड संहिता की धारा 509 के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात् :-

नवीन धारा 509क एवं
509ख का अंतःस्थापन.

509क. नातेदार द्वारा यौन उत्पीड़न.- जो कोई, स्त्री से रक्त, दत्तक या विवाह के माध्यम से संबंधित होते हुए, तथा उसका पति न होते हुए, शब्द, अंगविक्षेप अथवा कार्य द्वारा उसकी लज्जा का अनादर करने के आशय से अपनी निकटता का लाभ उठाता है, और ऐसी स्त्री को उत्प्रेरित करता है, विलुब्ध करता है या धमकी देता है, वह कठोर कारावास से जो एक वर्ष से कम नहीं होगा किन्तु जो पांच वर्ष तक का हो सकेगा, दण्डित किया जाएगा और जुर्माने के लिए भी दायी होगा.

509ख. इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा यौन उत्पीड़न.- जो कोई, उत्पीड़न करने के आशय से या इस बात का ज्ञान होते हुए कि उससे स्त्री को उत्पीड़न होगा या क्षोभ या मानसिक पीड़ा कारित होगी, दूरसंचार यंत्र द्वारा या इंटरनेट को सम्मिलित करते हुए किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक साधन द्वारा कोई टिप्पणी, अनुरोध, सुझाव, प्रस्ताव, छवि बनाता है, सृजित करता है, याचना करता है या उसके पारेषण (संचरण) को प्रारंभ करता है या अन्य संचरण जो कि अश्लील, कामुक, वासनामूलक, गंदा या अभद्र हो, वह कठोर कारावास से दण्डित होगा जिसकी अवधि छः माह से कम नहीं होगी किन्तु जो दो वर्ष तक का हो सकेगा एवं जुर्माने के लिए भी दायी होगा.

अध्याय-तीन

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 का संशोधन

7. दण्ड प्रक्रिया संहिता (जो इसमें इसके पश्चात् संहिता के रूप में निर्दिष्ट है) की धारा 154 की उप-धारा (1) के प्रथम परंतुक में, शब्द एवं अंक "या धारा 509" के स्थान पर शब्द, अंक, अक्षर तथा विरामचिह्न " , धारा 509, धारा 509क या धारा 509ख " प्रतिस्थापित किया जाए.

धारा 154 का संशोधन.

8. संहिता की धारा 161 की उप-धारा (3) के द्वितीय परंतुक के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात् :-

धारा 161 में परंतुक का
प्रतिस्थापन.

परंतु यह और कि स्त्री का कथन, जिसके विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 354, धारा 354क, धारा 354ख, धारा 354ग, धारा 354घ, धारा 354ड, धारा 376, धारा 376क, धारा 376ख, धारा 376ग, धारा 376घ, धारा 376ड, धारा 509, धारा 509क या धारा 509ख के अधीन अपराध कारित किये जाने या अपराध करने का प्रयास किये जाने का आरोप है, यथा संभव महिला पुलिस अधिकारी द्वारा अभिलिखित किया जाएगा तथा यथासंभव, ऑडियो-विडियो साधनों द्वारा भी रिकार्ड किया जाएगा और ऐसे पुलिस अधिकारी का यह कर्तव्य होगा कि वह ऐसे सभी कदम उठाये जो स्त्री की पहचान की सुरक्षा हेतु आवश्यक हों.

- धारा 164 का संशोधन. 9. संहिता की धारा 164 की उप-धारा (5क) के खण्ड (क) में, अंकों एवं शब्दों “या धारा 509” के स्थान पर विरामचिन्ह, शब्दों एवं अंकों “, धारा 376च, धारा 509, धारा 509क या धारा 509ख” प्रतिस्थापित किया जाए.
- धारा 164क का संशोधन. 10. संहिता की धारा 164क में, स्पष्टीकरण खण्ड को छोड़कर, जहां शब्द “पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी” प्रथम बार आया हो के स्थान पर, शब्द “महिला पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी” प्रतिस्थापित किया जाए.
- धारा 309 का संशोधन. 11. संहिता की धारा 309 की उप-धारा (1) के परन्तुक में, शब्द और अंक “धारा 376, धारा 376क, धारा 376ख, धारा 376ग या धारा 376घ” के स्थान पर, शब्द, अंक एवं अक्षर “धारा 354, धारा 354क, धारा 354ख, धारा 354ग, धारा 354घ, धारा 354ङ, धारा 376, धारा 376क, धारा 376ख, धारा 376ग, धारा 376घ, धारा 376ङ, धारा 376च, धारा 509, धारा 509क या धारा 509ख” प्रतिस्थापित किया जाए.
- धारा 327 का संशोधन. 12. संहिता की धारा 327 की उप-धारा (2) में, शब्द, अंक और अक्षर “या भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376, धारा 376क, धारा 376ख, धारा 376ग, धारा 376घ या धारा 376ङ के अधीन अपराध” के स्थान पर, शब्द, अंक, अक्षर और विरामचिन्ह “, स्त्री के यौन उत्पीड़न, उसके लज्जा भंग करने या भारतीय दण्ड संहिता की धारा 354, धारा 354क, धारा 354ख, धारा 354ग, धारा 354घ, धारा 354ङ, धारा 376, धारा 376क, धारा 376ख, धारा 376ग, धारा 376घ, धारा 376ङ, धारा 376च, धारा 509, धारा 509क या धारा 509ख के अधीन अपराध” प्रतिस्थापित किया जाए.
- प्रथम अनुसूची का संशोधन. 13. संहिता की प्रथम अनुसूची में, शीर्षक “I-भारतीय दण्ड संहिता के अधीन अपराध” के अंतर्गत-

(क) धारा 211 से संबंधित प्रविष्टियों में, निम्नलिखित प्रविष्टियां जोड़ी जाएं, अर्थात् :-

धारा	अपराध	दण्ड	संज्ञेय या असंज्ञेय	जमानतीय या अजमानतीय	किस न्यायालय द्वारा विचारणीय है
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
.....	यदि आरोपित अपराध धारा 354, 354क, 354ख, 354ग, 354घ, 354ङ, 376ख, 376ग, 376च, 509, 509क या 509ख से दंडनीय है.	कारावास जो 3 वर्ष से कम नहीं होगा किंतु जो 5 वर्ष तक का हो सकेगा और जुर्माना.	असंज्ञेय	जमानतीय	प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट

(ख) धारा 354 से संबंधित प्रविष्टियों में, निम्नलिखित प्रविष्टियां जोड़ी जाएं, अर्थात् :-

धारा	अपराध	दण्ड	संज्ञेय या असंज्ञेय	जमानतीय या अजमानतीय	किस न्यायालय द्वारा विचारणीय है
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
.....	यदि स्त्री के नातेदार द्वारा	कारावास जो 2 वर्ष से कम	संज्ञेय	अजमानतीय	प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	कारित किया गया है.	नहीं होगा किंतु जो 7 वर्ष तक का हो सकेगा और जुर्माना.			

(ग) धारा 354घ से संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात् :-

धारा	अपराध	दण्ड	संज्ञेय या असंज्ञेय	जमानतीय या अजमानतीय	किस न्यायालय द्वारा विचारणीय है
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
354ड	उपस्थित व्यक्ति जो धारा 354, 354क, 354ख, 354ग, 354घ के अधीन अपराध कारित होने से रोकने में विफल रहता है, का दायित्व.	3 वर्ष तक कारावास या जुर्माना या दोनों.	संज्ञेय	जमानतीय	कोई मजिस्ट्रेट

(घ) धारा 376ड से संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात् :-

धारा	अपराध	दण्ड	संज्ञेय या असंज्ञेय	जमानतीय या अजमानतीय	किस न्यायालय द्वारा विचारणीय है
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
376च.	किसी कार्य स्थल के भारसाधक व्यक्ति एवं अन्य का अपराध की सूचना देने का दायित्व.	3 वर्ष तक कारावास और जुर्माना.	संज्ञेय	अजमानतीय	प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट

(ड) धारा 509 से संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:-

धारा	अपराध	दण्ड	संज्ञेय या असंज्ञेय	जमानतीय या अजमानतीय	किस न्यायालय द्वारा विचारणीय है
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
509क	नातेदार द्वारा यौन उत्पीड़न.	कठोर कारावास जो 1 वर्ष से कम नहीं होगा किंतु जो 5 वर्ष तक का हो सकेगा और जुर्माना.	संज्ञेय	अजमानतीय	प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट
509ख	इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा यौन उत्पीड़न.	कठोर कारावास जो 6 माह से कम का नहीं होगा किंतु जो 2 वर्ष तक का हो सकेगा और जुर्माना.	संज्ञेय	अजमानतीय	प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट

अध्याय-चार

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 का संशोधन

नवीन धारा 114ख का 14.
अंतःस्थापन.

भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 114क के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:-

114ख. भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 354, धारा 354क, धारा 354ख, धारा 354ग, धारा 354घ, धारा 509, धारा 509क या धारा 509ख के अधीन कारित अपराधों के संबंध में उपधारणा.-जब प्रश्न यह है कि क्या भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 354, धारा 354क, धारा 354ख, धारा 354ग, धारा 354घ, धारा 509, धारा 509क या धारा 509ख के अंतर्गत किसी व्यक्ति ने अपराध कारित किया है और यदि पीड़ित, न्यायालय के समक्ष यह कथन करती है कि उसका यौन उत्पीड़न हुआ या उसकी लज्जा भंग हुई अथवा उसके कपड़े उतारे गए अथवा उसका पीछा किया गया या उसकी निजता में हस्तक्षेप किया गया अथवा वह किन्हीं साधनों द्वारा यौन उत्पीड़ित की गई, यथास्थिति, वहां न्यायालय, जब तक कि विपरीत साबित न हो, तब तक यह उपधारणा कर सकेगा कि ऐसा अपराध उस व्यक्ति द्वारा कारित किया गया है.

रायपुर, दिनांक 21 जुलाई 2015

क्रमांक 6922/डी. 226/21-अ/प्रारू./छ.ग./15.— भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 21-07-2015 का अंग्रेजी अनुवाद राष्ट्रपति एवं राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सुषमा सावंत, अतिरिक्त सचिव.

CHHATTISGARH ACT
(No. 25 of 2015)

THE CRIMINAL LAW (CHHATTISGARH AMENDMENT) ACT, 2013

An Act further to amend the Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860), the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) and the Indian Evidence Act, 1872 (1 of 1872), in its application to the State of Chhattisgarh.

Be it enacted by the Chhattisgarh Legislature in the Sixty-Fourth Year of the Republic of India as follows :-

CHAPTER-I
Preliminary

- | | | | |
|----|-----|--|-------------------------------|
| 1. | (1) | This Act may be called the Criminal Law (Chhattisgarh Amendment) Act, 2013. | Short title and commencement. |
| | (2) | It shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette. | |

CHAPTER-II
Amendment of the Indian Penal Code, 1860

- | | | |
|----|--|--------------------------------------|
| 2. | In Section 211 of the Indian Penal Code, 1860 (here-in-after referred to as the Penal Code), the following proviso shall be inserted, namely :- | Insertion of proviso to Section 211. |
| | <p>Provided that, if such criminal proceeding be instituted on a false charge, of an offence punishable under section 354, section 354A, section 354B, section 354C, section 354D, section 354E, section 376B, section 376C, section 376F, section 509, section 509A or section 509B shall be punishable with imprisonment of either description which shall not be less than three years but which may extend to five years and shall also be liable to fine.</p> | |
| 3. | In Section 354 of the Penal Code, the following proviso shall be inserted, namely :- | Insertion of proviso to Section 354. |
| | <p>Provided that where offence is committed, under this Section by a relative, guardian or teacher or a person in a position of trust or authority towards the person assaulted, he shall be punishable with imprisonment of either description for a term which shall not be less than two years but which may extend to seven years and shall also be liable to fine.</p> | |

Insertion of new
Section 354E.

4. After Section 354D of the Penal Code, the following shall be inserted, namely :-

354E. Liability person present who fails to prevent the commission of offence under Section 354, 354A, 354B, 354C, 354D.- Whoever, being present at the time of commission of an offence under section 354, section 354A, section 354B, section 354C or section 354D and being able to prevent such offence, fails to prevent the commission of such offence or not being in position to prevent the commission of such offence, fails to give information of the commission of such offence to the nearest magistrate or police officer, by any mode, with the intention of screening the offender from legal punishment, shall be liable for abetment of such offence and shall be punished with imprisonment of either description which may extend to three years or with fine or with both.

Insertion of new
Section 376F.

5. After Section 376E of the Penal Code, the following shall be inserted, namely :-

376F. Liability of person in-charge of workplace and others to give information about offence.- Whoever, being person in-charge of any work place or any other person present at such place, having knowledge that an offence under section 376 or section 376D, is being committed at such place and being in a position to prevent commission of such offence fails so, to prevent such offence or to give information of the commission of such offence, to any magistrate or police officer, by any mode, with the intention of screening the offender from legal punishment, shall be liable to be punished for abetment of such offence with imprisonment of either description which may extend to three years and fine and no such person shall incur any liability for giving such information.

Explanation :- Work-place includes any mode of transport owned, hired or otherwise engaged by the person in-charge of the work place for the conveyance of the woman, who was subjected to such offence, to and from her residence to such work-place.

Insertion of new
Section 509A
and 509B.

6. After Section 509 of the Penal Code, the following shall be inserted, namely :-

509A. Sexual harassment by realtive.- Whoever, being related to a woman through blood, adoption or marriage, and not being her husband, takes the advantage of his proximity and induces, seduces or threatens such woman with intent to insult her modesty by word, gesture or act shall be punished with rigorous imprisonment which shall not be less than one year but which may extend to five years and shall also be liable to fine.

509B. Sexual harassment by electronic modes.- Whoever, by means of telecommunication device or by any other electronic mode including internet, makes, creates, solicits or initiates the transmission of any comment, request, suggestion, proposal, image or other communication, which is obscene, lewd, lascivious, filthy or indecent with intent to harass or cause or having knowledge that it would harass or cause annoyance or mental agony to a woman shall be punished with rigorous imprisonment for a term which shall not be less than six months but may extend to two years and shall also be liable to fine.

CHAPTER-III

Amendment of the Code of Criminal Procedure, 1973

Amendment of
Section 154.

7. In first proviso to sub-section (1) of section 154 of the Code of Criminal Procedure (here-in-after referred to as the Code) for the words and figure "or section 509" the words, figures, letters and punctuations "section 509, section 509A or section 509B" shall be substituted.

8. Th second proviso to sub-section (3) of section 161 of the Code, shall be substituted with the following proviso, namely :- **Substitution of proviso to Section 161.**

Provided further that statement of the woman against whom an offence under section 354, section 354A, section 354B, section 354C, section 354D, section 354E, section 376, section 376A, section 376B, section 376C, section 376D, section 376E, section 509, section 509A or section 509B of the Indian Penal Code, is alleged to have been committed or attempted, shall be recorded, as far as possible, by woman police officer and shall also be recorded by audio-video means, as far as possible, and it shall be the duty of such police officer to take all such steps as are necessary to protect the identity of the woman.

9. In clause (a) of sub-section (5A) of Section 164 of the Code, for the words and figures "or section 509" the punctuation, words and figures ",section 376F, section 509, section 509A or section 509B" shall be substituted. **Amendment of Section 164.**

10. In Section 164A, except explanation clause, of the Code, for the words "registered medical practitioner", where it occurs for the first time, the words "female registered medical practitioner" shall be substituted. **Amendment of Section 164A.**

11. In proviso to sub-section (1) of Section 309 of the Code, for the words, figures and letters "section 376, section 376A, section 376B, section 376C or section 376D", the words, figures and letters "section 354, section 354A, section 354B, section 354C, section 354D, section 354E, section 376, section 376A, section 376B, section 376C, section 376D, section 376E, section 376F, section 509, section 509A or section 509B" shall be substituted. **Amendment of Section 309.**

12. In sub-section (2) of the section 327 of the Code, for the words, figures and letters "or an offence under section 376, section 376A, section 376B, section 376C, section 376D or section 376E of the Indian Penal Code", the words, figures, letters and punctuations "sexual harassment, outraging modesty of woman or an offence under section 354, section 354A, section 354B, section 354C, section 354D, section 354E, section 376, section 376A, section 376B, section 376C, section 376D, section 376E, section 376F, section 509, section 509A or section 509B of the Indian Penal Code" shall be substituted. **Amendment of Section 327.**

13. In First Schedule to the Code, under the heading "1.- OFFENCES UNDER THE INDIAN PENAL CODE, 1860"- **Amendment of First Schedule.**

- (a) In the entries relating to Section 211, the following entries shall be added, namely :-

Section	Offence	Punishment	Cognizable or non-cognizable	Bailable or non-bailable	By what Court triable
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
...	If offence charged be punishable under Ss. 354, 354A, 354B, 354C, 354D, 354E, 376B, 376C, 376F, 509, 509A or 509B.	Imprisonment not less than 3 years but which may extend to 5 years and fine.	Non-Cognizable	Bailable	Magistrate of the first class.

(b) In the entries relating to Section 354, the following entries shall be added, namely :-

Section	Offence	Punishment	Cognizable or non-cognizable	Bailable or non-bailable	By what Court triable
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
...	If committed by relative of the woman.	Imprisonment not less than 2 years but which may extend to 7 years and fine.	Cognizable	Non-Bailable	Magistrate of the first class.

(c) After the entries relating to Section 354D, the following shall be inserted, namely :-

Section	Offence	Punishment	Cognizable or non-cognizable	Bailable or non-bailable	By what Court triable
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
354E	Liability of person present who fails to prevent the commission of offence under Ss. 354, 354A, 354B, 354C or 354D.	Imprisonment upto 3 years or fine or both.	Cognizable	Bailable	Any Magistrate.

(d) After the entries relating to Section 376E, the following shall be inserted, namely :-

Section	Offence	Punishment	Cognizable or non-cognizable	Bailable or non-bailable	By what Court triable
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
376F	Liability of person in-charge of any work place and others to give information about offence.	Imprisonment upto 3 years and fine.	Cognizable	Non-Bailable	Magistrate of first class.

- (e) After the entries relating to Section 509, the following shall be inserted, namely :-

Section	Offence	Punishment	Cognizable or non-cognizable	Bailable or non-bailable	By what Court triable
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
509A	Sexual harassment by relative.	Rigorous imprisonment not less than 1 year but which may extend upto 5 years and fine.	Cognizable	Non-Bailable	Magistrate of first class.
509B	Sexual harassment by electronic modes.	Rigorous imprisonment not less than 6 months but which may extend upto 2 years and fine.	Cognizable	Non-Bailable	Magistrate of first class.

CHAPTER-IV

Amendment of the Indian Evidence Act, 1872

14. After section 114A of the Indian Evidence Act, the following shall be inserted, namely :-

Insertion of new
Section 114B.

114B. Presumption as to offences committed under section 354, section 354A, section 354B, section 354C, section 354D, section 509, section 509A or section 509B of the Indian Penal Code, 1860.- When the question is whether a person has committed an offence under Section 354, section 354A, section 354B, section 354C, section 354D, section 509, section 509A, or section 509B of the Indian Penal Code and if the victim deposes before the court that she has been subjected to sexual harassment or her modesty was outraged or she was disrobed or she was stalked or her privacy was intruded or she was sexually harassed by any means, as the case may be, the court may, unless contrary is proved, presume that such offence has been committed by that person.